प्रेषक,

निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड–देहरादून।

सेवा में,

समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी,
उत्तराखण्ड ।

विषयः पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने हेतु सुझाव ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक भारतीय पशु रक्षा महासंघ का पत्र दिनांक 11 अगस्त 2017 इस कार्यालय में प्राप्त हुआ है ,जिसके द्वारा पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने हेतु कतिपय सुझाव दिये गये है, निम्न सुझाव अपने स्तर से समस्त पशु पालको को निर्गत करने का कष्ट करें –

1– डेयरियो में पशुओं हेतु पर्याप्त स्थल उपलब्ध कराये, जिससे उत्पादकता में वृद्वि हो सके, साथ ही पशुओं को आराम मिलें ।

2– डेयरी पशुओं को लगातार रस्सियो से बॉधे जाने तथा रस्सियों की लम्बाई बहुत कम होने के कारण पशुओं को कष्ट होता है ,जिसके कारण उनके स्वास्थय तथा दुग्ध उत्पादकता में गिरावट आ जाती है । अतः पशुपालको को निर्देश दे कि रस्सियो की लम्बाई बढ़ाये, ताकि उत्पादन में वृद्वि हो ।

3– डेयरियों मे पशुओं के नीचे गद्देदार मेट का प्रयोग करे, ताकि पशु को क्षति न पहुँचे व दुग्ध उत्पादकता बढ जाये ।

4– डेयरी अपशिष्ट (वेस्टेज) के निपटारे तथा स्वच्छता की उचित व्यवस्था डेयरी पालक द्वारा की जाय जिससे बीमारियों को फैलने से रोका जा सके ।

5– डेयरियो में Production stress तथा Climatic stress कुप्रबन्धन तनाव को कम किया जाय, जिससे पशुओं मे संक्रामक बीमारियो के फैलने की सम्भावना को कम किया जा सके ।

6– बच्चो को छः माह तक के होने तक बांध कर न रखा जाय। इससे उनका शारीरिक विकास उत्तम होगा ।

अतः उक्त सुझाव से पशुपालको को अवगत कराने का कष्ट करे ।

संलग्न–उक्तानुसार

भवदीय,

(डा0एस0एस0बिष्ट)
निदेशक

पृ0सं0 367 /पशुधन–तीन/2017–18/ दिनांकित– 10/10/17

प्रतिलिपि–अपर निदेशक,पशुपालन विभाग कुमाऊँ मण्डल नैनीताल/गढवाल मण्डल पौडी को उपरोक्तानुसार इस आशय से कि अपने स्तर से भी मुख्य पशुचिकित्साधिकारियो को निर्देशित करने का कष्ट करें।

प्रतिलिपि सचिव, प्रोग्रेसिव डेरी फारमर्स एसोसियेशन,को इस आशय से कि अपने स्तर से भी पशुपालको को उक्तानुसार निर्देशित करने का कष्ट करे।

प्रतिलिपि– निदेशक , भारतीय पशु रक्षा महासघ, ए 64 द्वितीय तल, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली को उनके उक्त पत्र के कम मे सूचनार्थ ।

(डा0एस0एस0बिष्ट)
निदेशक

Scanned by CamScanner